आर.एन.आई. नं. DELHIN/2017/73538

पू. कैलाश जी 'मानव'

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

सेवा पाती

मूल्य ▲ 5 वर्ष ▲ 15 अंक ▲ 173 मुद्रण तारीख ▲ 1 मई, 2026 कुल पृष्ठ ▲ 24

तकनीक ज्ञान से दिव्या
बुन रही सपनों का भविष्य

जिन्दगी के अधूरे सपनों में फिर से रंग भरता है

‘नारायण लिम्ब’

कृपया दुर्घटना से दिव्यांग हुए बंधु-बहिनों को दें कृत्रिम अंगों का सहारा

कृत्रिम अंग सहयोग

10,000/-

Donate via UPI

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

CONTENTS इस माह में

मूल्य ▸ 5 वर्ष ▸15 अंक ▸173 मुद्रण तारीख ▸1 मई, 2026 कुल पृष्ठ ▸24

सम्पादक मंडल

मार्ग दर्शक ▸ कैलाश चन्द्र अग्रवाल । सम्पादक ▸ प्रशान्त अग्रवाल । सहयोग ▸ विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़ । डिजाइनर ▸ विरेन्द्र सिंह राठौड़

मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4,
उदयपुर (राज.) 313002, भारत फोन नं. +91-294-6622222 वाट्सऐप: +91-7023509999
www.narayanseva.org | info@narayanseva.org

सेवा–पाती (मासिक पत्रिका) मुद्रण तारीख 1 मई, 2026 आर. एन. आई. नं. DELHIN/2017/73538, स्वत्वाधिकार नारायण सेवा संस्थान, प्रकाशक जतन सिंह मो. 09871320593 द्वारा 6473, कटरा बरियान, फतेहपुरी, दिल्ली–110006 से प्रकाशित तथा थॉमसन प्रेस इंडिया लिमिटेड, फरीदाबाद से मुद्रित। मुद्रित संख्या 1,00,000 (मूल्य) 5 रूपये

चेतना से ही मंजिल का मेल

- सेवक प्रशांत भैया

सफल होना हर व्यक्ति चाहता है। हर इन्सान दूसरे से अधिक सफल होने के सपने भी लेता है। लेकिन सफलता बाजार में बिकने वाली कोई चीज तो है नहीं, उसके लिए श्रम करना पड़ता है, सकारात्मक सोच के साथ सधे हुए कदम उठाने पड़ते हैं। अपनी सोच और काम के तरीकों में अपेक्षित बदलाव लाकर हर कोई सफलता की सीढ़ियां चढ़ सकता है। यदि व्यक्ति अपनी परिस्थितियों और परिवेश के साथ भावी जीवन का हिसाब–किताब लगाने बैठ जाएगा तो वह जहां है, वहीं बैठा रहेगा। चुनौतियों से डर कर अपने भीतर के उत्साह का स्वयं अन्त कर देगा।

इस सम्बंध में आपसे एक प्रसंग साझा करना चाहूंगा। एक गांव के हरे–भरे और फल –फूलों से लदे पहाड़ पर देवालय था। जो दूर से ही दिखाई देता था। इस मंदिर की बहुत मान्यता थी। दूर–दूर से श्रद्धालु वहां आते थे। यह पहाड़ गांव से करीब दस–बारह किलोमीटर दूर था। उसी गांव का एक युवक जो आए दिन सोचता कि मुझे भी वहां दर्शन करने जाना चाहिए। एक दिन उसने तय कर ही लिया कि आज रात चल देना है। सुबह धूप चढ़ आती है। वह रात दो बजे लालटेन लेकर निकल पड़ा ! गांव के बाहर निकलते ही घना अंधकार था, वह डर गया। सोचा कि छोटी सी लालटेन से दो–तीन कदम तक ही रोशनी जा रही है मंदिर तक का फासला कैसे तय होगा ?

मुझे सूर्योदय की प्रतीक्षा करनी ही चाहिए। एक जगह बैठ गया। उसकी गणित उसकी सोच के अनुरूप ठीक थी। आमतौर पर ऐसा ही गणित अधिकतर लोगों का होता है। तीन फीट तक रोशनी जा रही है और रास्ता दस कि.मी शेष है। दस कि.मी में 3 फीट का भाग दें तो इस लालटेन की रोशनी कारगर नहीं होगी। इसके लिए तो सैंकड़ों लालटेन चाहिए। तब कहीं जाकर पहाड़ तक रोशनी जा सकती है। वह वहीं बैठे–बैठे सुबह की प्रतीक्षा करने लगा तभी एक वृद्ध छोटा सा दीया लिए पहाड़ के मंदिर की ओर बढ़ता दिखाई दिया। उसने उसे पुकारते हुए पूछा, 'पागल हो गए हो? कुछ गणित का भी पता है ? दस कि. मी लम्बा रास्ता है और तुम्हारे छोटे दीये से तो बमुश्किल एक कदम तक रोशनी हो रही है। वृद्ध ने कहा– मैं पागल सही, पर तुम तो समझदार हो। यह बताओ कि क्या कोई एक कदम से ज्यादा चल भी पाया है? जब मैं एक कदम आगे चलता हूँ, तब रोशनी भी एक कदम आगे बढ़ जाती है। दस किमी तो क्या मैं इस दीये के सहारे उससे आगे तक का भी रास्ता पार कर सकता हूँ। उठ, चल, तू क्यों बैठा है? तेरे पास तो अच्छी लालटेन है। एक कदम तू आगे चलेगा, रोशनी उतनी ही आगे बढ़ती जाएगी।

मित्रों! किताबी ज्ञान मनुष्य को विषय विशेष में पारंगत बना सकता है लेकिन उस ज्ञान का सही दिशा में उपयोग तभी हो सकेगा, जब ज्ञानार्जन के साथ चेतना भी हो। अर्जित ज्ञान अथवा अनुभवों का उपयोग कब और कैसे करना चाहिए, किस बात पर किस तरह की प्रतिक्रिया देनी चाहिए, इसकी समझ केवल व्यक्ति की आन्तरिक चेतना ही दे सकती है। चेतना, अनुभवों, विचारों, भावनाओं और दुनिया के साथ सम्बंधों को संभव बनाती है। इसी से सही–गलत का निर्णय हो पाता है। चेतना असल में आन्तरिक जागरूकता का ही एक रूप है, जो व्यक्ति के सोच को सार्थकता प्रदान करती है।

व्यक्ति को इससे अपनी दिशा तय करने में मदद मिलती है, जो अन्ततः व्यक्तिगत विकास में निर्णायक भूमिका का निर्वाह करती है। रचनात्मक विचारों का सृजन ही चेतना पर आधारित है। ज्ञान जहां जानकारी और तथ्यों से रूबरू कराता है, वहीं चेतना उस ज्ञान को समझने और जीवन में उसका सही उपयोग कर आगे बढ़ने की प्रेरक शक्ति बनती है।

जीवन में ठहराव अस्वीकार्य

पूज्य श्री कैलाश जी 'मानव'

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संघर्ष और सामंजस्य के माध्यम से ही प्रगति संभव होती है। जहां संधर्ष नहीं, वहां गति नहीं और जहां सामंजस्य नहीं, वहां स्थायित्व नहीं। जीवन ठहराव को कभी स्वीकार नहीं करता, वह निरन्तर रूपान्तरण चाहता है।

भगवान बुद्ध एक नदी किनारे से गुजर रहे थे। कुछ बच्चें वहां हंसी–ठिठोली करते रेत के घरोंदे बना रहे थे। आपस में लड़ भी रहे थे। कोई कहता 'यह मेरा तो दूसरा कहता नहीं यह मेरा, तेरा वो है।' कोई कहता 'मेरे घर से दूर रह, अपना घर दूर बना।' उन्होंने अपने–अपने घरोंदे के बीच विभाजन की रेखाएं खीचं ली थी। यह उसका आंगन, यह तेरा बगीचा यह मेरी सीमा, यही आपस में चल रहा था। जब सांझ हो गई तो किसी ने जोर से आवाज़ दी, बच्चों अब घर जाओ, तुम्हारी माताएं राह देख रहीं होंगी। बच्चों ने देखा कि सूरज ढलने जा रहा था। वे खेल में इतने तल्लीन थे कि घर लौटना भी याद नहीं रहा। बुद्ध एक ओर खड़े चुपचाप बच्चों के खेल और व्यवहार को देखते रहे। वे बच्चे जो थोड़ी देर पहले लड़ रहे थे, अपना घर और सीमा को बचाने की बात कर रहे थे, वे ही अपने बनाए घरोंदे पर हुल्लड़ मचाते कूदते हुए उन्हें नष्ट कर रहे थे। जब सब घरोंदे ध्वस्त हो गए, सारी दीवारें टूट गई, सब सीमाएं असीम में खोकर एक हो गई तब सब एक–दूसरे का हाथ थामे हंसते–हंसते अपने –अपने घरों की ओर भागे। दूसरे दिन प्रवचन के दौरान बुद्ध ने अपने शिष्यों से इस प्रसंग की चर्चा की ओर कहा कि ऐसा ही संसार है। रेत के घर–सा! मेरा–तेरा, लड़ाई, कलह, द्वेष, ईर्ष्या, संघर्ष, अदालतें और फिर एक दिन सांझ आती है। सूरज ढल जाता है। घर जाना पड़ता है, अर्थात मौत हो जाती है। सब जहां का तहां पड़ा रह जाता है। इस लिए जीवन भी खेल से ज्यादा कुछ नहीं है। जब तक जी रहे हो, पूरा आकाश – धरा तुम्हारी है, स्वच्छन्दता से जीओ, अपने कर्तव्य पर ध्यान दो बंधन में न बंधो और न किसी को बांधो। सेवा और परमार्थ से जीवन को सार्थक करो। हर मानव नारायण रूप में समाज में विद्यमान है। उसे पहचानों, तन–मन–धन से उसकी सेवा करो। भूखे को भोजन, प्यासे को पानी, निर्वस्त्र को वस्त्र, अनपढ़ को शिक्षा, बेकार को काम, बीमार को दवा, निराश को ढांढस और मूक प्राणियों को अभयदान दो। उपेक्षितों की सेवा ही ईश्वर की भक्ति है। लोकसेवा को ध्येय बनाओ।

संघर्ष और सामंजस्य, अंधकार और प्रकाश, श्रम और सहजता यही जीवन की गति है और हंसी में प्रगति का वास्तविक अर्थ निहित है। जिसे यह समझ में आ जाए कि जीवन एक खेल है, उसका सारा तनाव ही समाप्त हो जाएगा। लेकिन अफसोस है कि खेल को भी व्यक्ति तनाव बना लेता है, यही उसके दुःख का कारण बनता है। व्यक्ति जिन्दगी में बाहर ही नहीं भीतर भी लड़ता रहता है, लेकिन उसका अंहकार कभी तुष्ट नहीं हो पाता। बाहर लड़ाई परिवार, सहकर्मियों और समाज से होती है, लेकिन भीतर वह अपनी आत्मा से ही लड़ता है, इस तरह उसका सम्पूर्ण जीवन एक अंतर्द्वद्व से गुजरता रहता है। ऐसा कभी –कभी इसलिए भी होता है कि व्यक्ति कई बार स्वयं को कमतर आंकता है तो कभी बहुत ज्यादा। बंधुओं! इस दुर्लभ मानव जीवन को सार्थक बनाएं। धन, पद और प्रतिष्ठा से परे मानवता और समाज सेवा को आप जब अपना उद्देश्य बनाएंगे तो जीवन बहुत सहज और आनंदमय हो जाएगा।

अधिक

5 हजार बच्चों को अपने पैरों चलाना

2 लाख लोगों को मीठा भोजन कराने का संकल्प

क्या है अधिक मास

हिंदू पंचांग के अनुसार, अधिकमास का महीना हर तीन साल में एक बार आता है। शास्त्रों में इसे पुरुषोत्तम मास या अधिकमास के नाम से भी जाना जाता है। इस वर्ष अधिकमास 17 मई से शुरू होकर 17 जून तक चलेगा। हिंदू धर्म में इस महीने में शुभ कार्य करना वर्जित माना जाता है। विवाह, गृहप्रवेश और नए कार्य की शुरुआत इस शुभ महीने में वर्जित हैं।

अधिकमास का यह महीना शुभ कार्यों के लिए वर्जित माना जाता रहा है, लेकिन पूजा–अर्चना के लिए इसे सर्वोत्तम माना जाता है। यह महीना भगवान विष्णु की पूजा के लिए फलदायी है। इस महीने में दान–पुण्य करना चाहिए ताकि भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त हो सके।

तैयार भोजन

अधिकमास के इस माह में नारायण सेवा संस्थान वंचित बच्चों को निःशुल्क पका हुआ भोजन उपलब्ध करा रहा है। ऐसा माना जाता है कि इस माह में दिए गए दान से लोगों को ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है।

मास

▶ निःशुल्क सुधारात्मक सर्जरी

दिव्यांगजनों के चेहरे पर मुस्कान लौटाने के लिए उनकी सर्जरी हेतु दान करें। **इस माह नारायण सेवा संस्थान दिव्यांगजनों और बच्चों को निशुल्क सर्जरी एवं कृत्रिम अंग से नई जिन्दगी प्रदान कर रहा है।** शास्त्रों में इस माह को भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ माना जाता है और दान करने वालों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

तकनीक ज्ञान से दिव्या

बुन रही सपनों का भविष्य

जब शिक्षा, सेवाभाव और विद्यालय एक परिवार के रूप में मिल जाए, तब गर्दिश में जी रहे बचपन का सही दिशा की ओर बढ़ना तय है। ऐसा ही एक प्रेरणादायक प्रसंग है, संस्थान की नारायण चिल्ड्रन एकेडमी की कक्षा 6 में अध्ययन कर रही दिव्या गमेती का।

विद्यालय द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा सर्वे अभियान के दौरान 7–8 साल पूर्व शिक्षक गाँव–गाँव जाकर विद्यालय जाने से वंचित बच्चों की स्थिति का पता लगा रहे थे। तभी वे दिव्या के घर पहुँचे। वहाँ उन्हें पता चला कि दिव्या के पिता मांगीलाल अब इस दुनिया में नहीं हैं और माँ अन्यत्र चली गई है। छोटी सी दिव्या अपने नाना और नानी के साथ रहकर घर –खेती के काम में उनका हाथ बटा रही थी।

घर की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। नानाजी घर का खर्च वहन करने में ही असमर्थ थे तो बच्ची को स्कूल कैसे भेजते? सर्वे दल ने परिस्थिति को समझा और परिवार को आश्वस्त करते हुए दिव्या को नर्सरी कक्षा में प्रवेश देने का निर्णय लिया। हालात को चुनौती के रूप में लेकर दिव्या ने भी साबित कर दिया कि अवसर मिलने पर हर बच्चा आगे बढ़ सकता है। दिव्या पढ़ाई में तो दक्ष है ही विद्यालय की हर गतिविधि, सांस्कृतिक कार्यक्रम हो, खेलकूद प्रतियोगिता हो या वाद–विवाद पूरे उत्साह से भाग लेती है और अपनी प्रतिभा की छाप छोड़ती है।

दिव्या का सपना डॉक्टर बनना है। वह समाज की सेवा में भी समय देना चाहती है, ताकि भविष्य में वह भी किसी जरूरतमंद का सहारा बन सके। विद्यालय का मार्गदर्शन और प्रोत्साहन उसके इस सपने को सच करने में मजबूत आधार बन रहा है।

उद्धव: संघर्ष और सफलता

उद्धव मुटकिया (25) का अब तक का सफर सिर्फ संघर्ष ही नहीं, बल्कि परिवार के लिए एक बेटे की सच्ची भावनाओं की अभिव्यक्ति भी है। चार बहिनों और माता–पिता की आंखों का तारा, उनकी उम्मीद, सहारा और भविष्य है, उद्धव।

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के गांव जर्सी–जगदीशपुर में रहने वाले डोलो मुटकिया और हराबाई खेती–मजदूरी कर किसी तरह परिवार का भरण–पोषण करते हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद उद्धव पर उनके सपनों का महल खड़ा था। उद्धव भी पढ़–लिखकर अपने परिवार का सहारा बनना चाहते थे, इसलिए उन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद स्नातक तक शिक्षा प्राप्त की।

लेकिन जन्म से ही दोनों पैरों से दिव्यांग होने के कारण उनकी राह आसान नहीं रही। जब भी वे अपनी चारों बहिनों को काम करते देखते, तो मन में टीस उठती –"काश मैं भी अपने परिवार के लिए कुछ कर पाता। अपनी बेबसी उन्हें अंदर ही अंदर तोड़ती थी, लेकिन परिवार के लिए उनका प्यार उन्हें हमेशा मजबूत बनाए रखता था।

जिंदगी में उम्मीद की किरण तब जगी, जब एक रिश्तेदार ने उन्हें नारायण सेवा संस्थान के बारे में बताया। सितंबर 2024 में जब उद्धव संस्थान पहुंचे, तो मानों उनके जीवन की दिशा ही बदल गई। डॉक्टरों ने उनके उपचार की जिम्मेदारी ली और एक–एक कर पांवों की 6 सफल सर्जरी की गई।

फिर आया वह भावुक पल–28 फरवरी 2026। उद्धव ने पहली बार अपने पैरों में कैलिपर्स पहने और खड़े हुए, उनकी आंखों में आंसू थे, लेकिन यह आंसू दर्द के नहीं, खुशी और विश्वास के थे। पहली बार उन्हें लगा कि अब वह भी अपनी बहिनों और माता–पिता का सहारा बनकर उनके सपनों की तामीर कर सकेंगे।

आज उद्धव न केवल चल पा रहे हैं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। वे संस्थान में निःशुल्क त्रैमासिक रोजगारोन्मुख कंप्यूटर कोर्स कर रहे हैं, ताकि अपने पैरों पर खड़े होकर परिवार की जिम्मेदारी उठा सकें।

उद्धव भावुक होकर कहते हैं, – "मैं अपने माता–पिता और बहिनों के लिए कुछ करना चाहता था, लेकिन खुद असहाय था। आज संस्थान ने मुझे नई जिंदगी दी है। जिस सम्मान के साथ दिव्यांगजन को यहां समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है, वह हमारे लिए अनमोल है। मैं संस्थान और सभी दानदाताओं का दिल से धन्यवाद करता हूं।"

जय को मिली जिंदगी की लय

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के तुलसीपुर गांव के जय किशन (21) एक साधारण किसान परिवार से हैं। 12वीं तक शिक्षित जय किशन माता–पिता और चार भाइयों के संयुक्त परिवार में रहते हैं। परिवार का भरण–पोषण खेती और मजदूरी से होता है। हर दिन की मेहनत ही जीवन का आधार है। कमजोर आय वर्ग से होने के बावजूद परिवार में संतोष–सामंजस्य हमेशा रहा।

2 अक्टूबर 2023 का दिन उनकी जिंदगी में यकायक ऐसा तूफान लेकर आया, जिसने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया। फैक्ट्री में काम करते मशीन की चपेट में आने से जय किशन की गतिमान जिंदगी पल भर में ठहर गई। डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें अपना दाहिना पैर गंवाना पड़ा। जिस युवक के कदम अपने सपनों को साकार करने की ओर बढ़ रहे थे, वे अचानक थम गए, दूसरों के सहारे उठने को मजबूर हो गए।

मिर्जापुर के अस्पताल में इलाज तो चलता रहा, लेकिन अपने भीतर जो दर्द और टूटन थी, उसका इलाज कहीं नहीं था। हर छोटी जरूरत के लिए दूसरों पर निर्भर होना उन्हें अंदर ही अंदर तोड़ रहा था। आत्मविश्वास डगमगाने और जीवन बोझ सा लगने लगा।

इसी अंधेरे के बीच सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें प्रकाश की एक किरण दिखी। नारायण सेवा संस्थान के बारे में पता चला। वे दिसंबर 2025 में संस्थान पहुंचे।

26 दिसंबर 2025 का दिन उनके जीवन में नई सुबह लेकर आया, जब उन्हें निःशुल्क कृत्रिम अंग लगाया गया। जैसे ही उन्होंने दोबारा खड़े होकर चलने की कोशिश की, उनकी आंखों में फिर से उम्मीद की चमक लौट आई। उनके वो दो–कदम केवल चलना नहीं थे, बल्कि टूटते आत्मविश्वास का फिर से मजबूत होना था।

कुछ दिनों के निरंतर अभ्यास के बाद अब जय किशन न केवल बिना सहारे चलते हुए अपना काम स्वयं करने लगे हैं, बल्कि संस्थान में निःशुल्क त्रैमासिक मोबाइल रिपेयरिंग कोर्स भी कर रहे हैं। अब उनके सपनों को एक नई दिशा मिल चुकी है। जो युवक कभी हर छोटे से काम के लिए दूसरों पर निर्भर था, वही आज आत्मनिर्भर बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

व्हीलचेयर पर सीखा सिलाई का हुनर

उदयपुर जिले के आदिवासी बहुल गांव पई की मोनिका (25) को परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने पर 9वीं के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी। परिवार में दो छोटी बहिनें व भाई हैं। पिता सवजी खराड़ी की मौत के बाद माता फोजकी बाई खेती–मजदूरी कर परिवार का पोषण करती हैं। मोनिका भी उनके काम में हाथ बटाती रही। 22 नवंबर 2024 को मोनिका जब घर का कुछ सामान लेकर लौट रही थी कि रामपुर – सीसारमा रोड पर बाइक का संतुलन बिगड़ने से गिर पड़ी। कमर में गंभीर चोट आई। शहर के सरकारी अस्पताल में कुछ दिन इलाज चला लेकिन डॉक्टरों ने कह दिया कि स्पाइन कोड में गंभीर क्षति के कारण अब वह पांव पर न खड़ी होगी और न चल सकेगी। तब से ही वह व्हीलचेयर पर है। खुद का दैनंदिन कार्य भी वह बिना किसी की सहायता से कर पाने में असमर्थ है। परिवार में पहले ही गरीबी पसरी थी अब यकायक कुंवारी बेटी के अपंग होने से माता–पिता पर दुखों का पहाड़ ही टूट पड़ा। तभी मोनिका को उसकी एक सहेली ने बताया कि नारायण सेवा संस्थान उसकी तकलीफ में जरूर भागीदार बनेगा,उसे वहां स्वावलंबी जीवन के लिए कोई उपयुक्त और निःशुल्क रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण अवश्य मिलेगा। फरवरी 2026 के शुरू में मोनिका माता व सहेली के साथ संस्थान में आई। यहां उसे सिलाई प्रशिक्षण बैच में शामिल किया गया। पिछले डेढ़–दो माह में ही आकर्षक और कलात्मक सिलाई में उसने काफी कुशलता दिखाई। मोनिका में पूर्वापेक्षा अधिक आत्मविश्वास है। वह कहती हैं कि गांव में घर बैठे सिलाई कर न केवल वह स्वावलम्बी बनेगी अपितु घर खर्च में भी वृद्ध माता का सहयोग करेगी।

वह चल नहीं सकती लेकिन संस्थान ने उसे आर्थिक आत्मनिर्भरता की दृष्टि से अपने पैरों पर खड़ा जरुर कर दिया है।

दिल्ली में दिव्यांगजनों को

सहारा लेकर आए, खुद चलकर लौटे

हाथ–पांव में जन्मजात विकृति अथवा हादसों में शरीर के ये महत्वपूर्ण अंग गंवा देने वाले दिव्यांग भाई –बहिनों के पुनर्वास एवं उन्हे आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से दिल्ली में 29 मार्च को संस्थान ने कृत्रिम अंग व केलीपर फिटमेंट शिविर आयोजित किया। एनटीपीसी एवं जीई का संयुक्त उपक्रम एनजीएसएल, टूरिज्म फाइनेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड तथा श्रीराम पिस्टन्स एंड रिंग्स लिमिटेड के सौजन्य से पुरुषार्थी हरिमंदिर में सम्पन्न शिविर के मुख्य अतिथि श्रीराम पिस्टन एंड रिंग्स लि. के डायरेक्टर श्री डी.सी. जोशी थे। अध्यक्षता सैरमा एसजीएस टेक्नालॉजी लि. की कॉर्डिनेटर श्रीमती स्निग्धा कौशिक ने की।

शिविर में 110 नारायण लिंब तथा 30 कैलिपर्स प्रदान किए गए। कुल 140 दिव्यांगजन को 162 कृत्रिम हाथ–पांव व कैलिपर लगाए गए। जो लोग किसी के कंधे या बैसाखी का सहारा लेकर आए थे, वे कृत्रिम पांवों पर चलकर स्वयं अपने गन्तव्य को लौटे। उनके चेहरों पर खुशी और आत्म विश्वास स्पष्ट झलक रहा था।

मुख्य अतिथि श्री जोशी ने कहा कि संस्थान का यह कार्य किसी तप–साधना से कम नहीं है। ईश्वर ऐसे ही कार्यो से प्रसन्न होते हैं, जो दूसरों की जिन्दगी संवारने के लिए किए जाते हैं। अध्यक्ष श्रीमती कौशिक ने कहा कि यह पहल शारीरिक एवं आर्थिक रूप से अक्षम लोगों से जीवन में रचनात्मक बदलाव लाने वाली है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में समाज सेवी सर्वश्री दिनेश जैन, सुरेन्द्र चांडक, आचार्य श्रीराम साकेत, दीक्षित, राकेश शर्मा, परमानंद, नंदन सिंह रावत, अमित चावला एवं अरुण जुनेजा मंचासीन थे। संयोजन महिम जैन ने व फिटमेंट प्रक्रिया का निर्वाह मोहित वर्मा व उनकी ऑर्थोस्टिक–प्रोस्थेटिक टीम ने किया। शिविर में संस्थान के फतहपुरी आश्रम प्रभारी जतन सिंह भाटी, रोहिणी आश्रम के वेद प्रकाश शर्मा व गाजियाबाद आश्रम के प्रभारी भंवर सिंह राठौड़ सहित 30 साधकों की टीम ने व्यवस्था में सहयोग किया।

मिले नारायण मॉड्यूलर लिम्ब

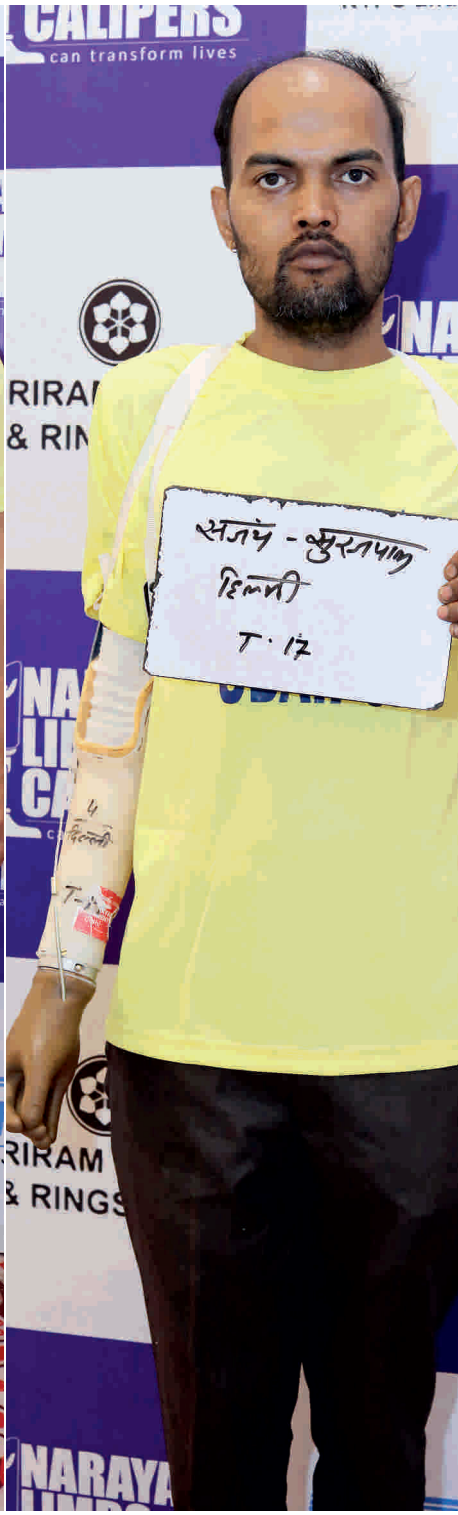

सेवा, समर्पण और स्वाव

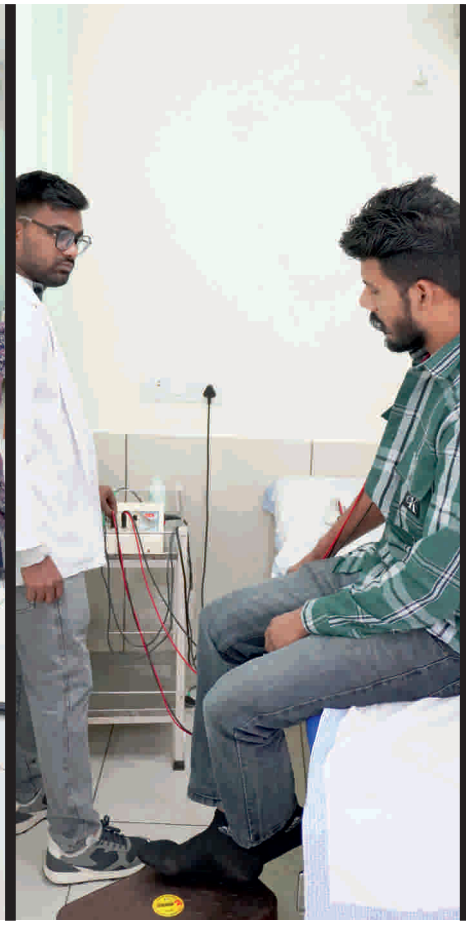

कैथल (हरियाणा) का नारायण सेवा केंद्र केवल परमार्थिक स्थान ही नहीं, बल्कि दिव्यांगों के जीवन में आत्मविश्वास, सम्मान और स्वावलंबन का संचार करने वाला सेवा तीर्थ भी है।

निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण एवं वितरण –

केंद्र पर नियमित रूप से कृत्रिम अंगों का निर्माण किया जाता है। उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से आने वाले दिव्यांग बंधु यहाँ से निःशुल्क कृत्रिम अंग प्राप्त कर अपने जीवन में नई शुरुआत करते हैं।

इसके माध्यम से ओर्थोस्टिक –प्रोस्थेटिक विशेषज्ञ टीम द्वारा उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम अंग मापन एवं फिटमेंट शिविरों का आयोजन भी किया जाता है।

निःशुल्क उपचार एवं सहायक उपकरण –

प्रतिदिन केंद्र में अनेक मरीज निःशुल्क फिजियोथेरेपी उपचार प्राप्त कर रहे हैं। जरूरतमंद दिव्यांगों को निःशुल्क व्हीलचेयर, बैसाखी (Crutches) एवं श्रवण यंत्र (Hearing Aid) उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे उनके जीवन में गतिशीलता और आत्मविश्वास बढ़ता है।

भोजन, आवास एवं परिवहन सुविधा –

दूर–दराज से आने वाले दिव्यांगों एवं उनके परिजनों के लिए निःशुल्क भोजन एवं आवास की समुचित व्यवस्था है। केंद्र तक पहुँचने के लिए निःशुल्क ई–रिक्शा सेवा भी उपलब्ध है।

स्वावलंबन हेतु कौशल प्रशिक्षण –

दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से केंद्र पर निःशुल्क मोबाइल रिपेयरिंग, कंप्यूटर प्रशिक्षण एवं सिलाई जैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण संचालित किए जा रहे हैं।

प्रशिक्षण प्राप्त दिव्यांगों की CSC (कॉमन सर्विस सेंटर)

लंबन का प्रेरक अभियान

की दुकानें भी स्थापित करवाई गई हैं, जिससे वे सम्मानपूर्वक आजीविका अर्जित कर सकें।

सिलाई केंद्र में तैयार वस्त्रों को समय–समय पर जरूरतमंदों में वितरित किया जाता है।

कला, व्यक्तित्व विकास एवं विशेष सत्र –

दिव्यांगों के सर्वांगीण विकास हेतु कला एवं सृजनात्मक कक्षाएँ आयोजित की जाती हैं।

साथ ही, विशेष लेक्चर सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास एवं करियर पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयोजन –

केंद्र द्वारा राष्ट्रीय एवं धार्मिक अवसरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

श्रीमद् भागवत कथा, नवरात्रि कन्या पूजन, लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर विशाल भंडारा एवं वस्त्र वितरण, तथा नियमित प्रभात फेरी के माध्यम से सेवा और संस्कारों का संदेश जन–जन तक पहुँचाया जाता है।

आपदा राहत सेवा –

पंजाब बाढ़ राहत अभियान के अंतर्गत प्रभावित परिवारों को खाद्य सामग्री एवं आवश्यक वस्तुएँ वितरित की गईं, जो संस्थान की सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

चिकित्सकीय अवलोकन –

एम्स दिल्ली की चिकित्सक टीम द्वारा केंद्र का अवलोकन किया गया तथा यहाँ संचालित सेवा कार्यों की सराहना की गई। शाखा के समर्पित सदस्यों का योगदान इस केंद्र की निरंतर प्रगति और सेवा विस्तार की दृष्टि से सराहनीय है। यही वजह है कि यह केंद्र आज उत्तर भारत में सेवा की सार्थक मिसाल है।

निर्जला एकादशी सनातन धर्म का

इस पवित्र दिन व्रत रखने, मंत्र जाप करने, पूजा-अर्चना करने और दान करने से भक्तको अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन श्रद्धापूर्वक किया गया दान समस्त पापों का नाश करता है और भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्रदान करता है।

गरीब, असहाय और दिव्यांग बच्चों को भोजन कराएं

निर्जला एकादशी, जो ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष (चंद्रमा के बढ़ते चरण) की एकादशी तिथि को पड़ती है, भगवान विष्णु को समर्पित है। यह तिथि विशेष रूप से तपस्या, संयम, भक्ति और दान का एक महान पर्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि इस दिन व्रत रखने से वर्ष भर की समस्त एकादशी व्रतों के समान फल प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त, इस दिन अन्न और जल का दान करने से अनेक गुना पुण्य फल प्राप्त होता है।

इस महापर्व का महत्व

निर्जला एकादशी आत्म–संयम, भक्ति और सेवा का एक दिव्य अवसर है। इस दिन भक्तगण निर्जल (बिना जल के) व्रत रखकर भगवान विष्णु की आराधना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस पवित्र दिन मंत्र जाप, तपस्या और दान करने से जीवन में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है।

दान के दिव्य फल

धार्मिक ग्रंथों में कहा गया है कि निर्जला एकादशी के दिन

एक अत्यंत पुण्यदायी और शुभ पर्व

जरूरतमंदों को अन्न, जल, वस्त्र, फल, मिट्टी के पात्र (घड़े), छतरी और भोजन का दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। विशेष रूप से ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी में जल और अन्न दान का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किया गया दान भक्त के जीवन से समस्त कष्टों को दूर करता है और सुख, सौभाग्य तथा आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग खोलता है।

दानेन पुण्यं वर्धते

अर्थात, श्रद्धापूर्वक किया गया दान पुण्य में वृद्धि करता है और भक्त को ईश्वर के आशीर्वाद का पात्र बनाता है।

आपके द्वारा प्रदान किया गया दान गरीब, असहाय, जरूरतमंद और दिव्यांग बच्चों को भोजन कराने के कार्य में उपयोग किया जाएगा।

आपके दान से भोजन उपलब्ध होगा

आपके सहयोग और दान से गरीब, बेसहारा, जरूरतमंद और दिव्यांग बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। यह केवल एक दान मात्र नहीं है, बल्कि स्वयं नारायण की सेवा करने का एक पवित्र अवसर है। नारायण सेवा संस्थान के सेवा यज्ञ में सहभागी बनें

निर्जला एकादशी के इस पावन अवसर पर, नारायण सेवा संस्थान की उस सेवा परियोजना में सहभागी बनें जिसके अंतर्गत हजारों मजदूर, गरीब, आदिवासी परिवारों को शीतल जल के लिए मटका-गलना के साथ ऋतु फल, चप्पल आदि का वितरण किया जाएगा। कई स्थानों पर शरबत, ठण्डे पानी की प्याऊ भी संचालित की जाएगी।

USHA®
PISTONS PINS RINGS
ENGINE VALVES

SHRIRAM PISTONS & RINGS LTD.

SPR®
AUTO COMPONENTS
& ASSEMBLIES

दिव्यांगता कोई बोझ नहीं बल्कि जीवन की एक स्थिति है।
हमें इसे सकारात्मक नजरीये से देखना चाहिए।

दिव्यांगजनों का जीवन भी समृद्ध और बहु-उपयोगी होता है-
जिसमें बुद्धिमत्ता, आत्मसम्मान, सपने, प्रेम और संवेदनाएं भरपूर होती है।

हम सदा आपके साथ है... कल, आज और आने वाले कल में भी।
हमारे और आपके बीच कई यादें है-कभी प्रेरणादायक,
कभी भावुक तो कभी मुस्कान भरी।

श्रीराम पिस्टन्स एंड रिंग्स लिमिटेड परिवार
नई दिल्ली, गाजियाबाद (यू.पी.)
पथरेड़ी (राजस्थान) द्वारा
सीएसआर के अन्तर्गत एक छोटा सा प्रयास।

मॉरीशस के महिराज को रास आई नैचुरोपैथी

तन-मन में ऊर्जा, संतुलन और सम्पूर्ण स्वास्थ्य की भारतीय चिकित्सा पद्धति

संस्थान से वर्ष 2010 से जुड़े भारत मूल के समाजसेवी भामाशाह श्री महिराज रामरक्षा जी हिंद महासागर के द्वीप देश मॉरीशस निवासी हैं। एक दिन घर में गिर पड़ने से पीठ में गंभीर चोट आई, इलाज भी लम्बा चला लेकिन राहत नहीं मिली समय के साथ दर्द बढ़ता गया जिससे उनकी दिनचर्या प्रभावित होने लगी। किसी ने उन्हें सलाह दी कि वे किसी अनुभवी प्राकृतिक चिकित्सक से सलाह करें, शायद दर्द से कुछ राहत मिले। इस संबंध में उन्होंने अपने ही नारायण सेवा संस्थान से सम्पर्क किया। वे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्न हुए कि संस्थान अब प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में भी पुराने और जटिल रोगों से ग्रस्त लोगों की उम्मीद बन गया हैं। दर्द के बावजूद 5 हजार किमी की हवाई यात्रा कर वे उदयपुर पहुंचे। यहां उपचार के दौरान उन्हें सूर्य स्नान (सन बॉथ) चिकित्सा दी गई। जिससे उन्हें घुटनों और पीठ के दर्द में काफी राहत मिली। त्वचा से सम्बद्ध समस्या से निवारण के लिए उनके शरीर पर उपचारित मिट्टी का लेप नियमित रूप से किया गया, जिससे त्वचा में खिंचाव भी कम हुआ और वे स्वस्थ महसूस करने लगे। इसके अलावा सिर और पेट पर मिट्टी– पट्टी, मालिश से उन्हें कुछ ही दिनों में दर्द से इतना आराम मिला कि वे चैन की नींद लेने लगे,जो अब तक नहीं मिली थी। सन्तुलित आहार ने भी उन्हें मजबूत बनाया। डेढ़ सप्ताह की नेचुरोपैथी में उन्हें चमत्कारिक सुधार दिखा।

यहां से स्वदेश लौटते हुए उन्होंने कहा–'संस्थान में न केवल मुझे शारीरिक दर्द से राहत मिली अपितु मानसिक शांति भी मिली। चिकित्सकों की सेवा भावना और समर्पण के आगे वे नतमस्तक हैं। यहां से वे अपने में काफी ऊर्जा समेटे लौट रहे हैं। वे दावे के साथ कह सकते हैं कि प्राकृतिक चिकित्सा में हर रोग और पीड़ा निवारण की सामर्थ्य है।

श्री महिराज रामरक्षा जी
मॉरीशस निवासी

"प्राकृतिक चिकित्सा ने मुझे शारीरिक राहत के साथ मानसिक शान्ति भी दी। यहां का प्रेम, सेवा और उपचार जीवन बदल देने वाला अनुभव है।"

प्राकृतिक चिकित्सा की विशेषताएं

- प्राकृतिक आहार
- सूर्य स्नान
- चिकित्सीय मिट्टी
- मालिश व पेट पट्टी

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,
मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़
भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
मो. 09829769960
C/â नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा–311001
बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी
मो. 09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला, मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर
अलवर
श्री आर.एस. वर्मा
मो. 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल, 35 लादिया, बाग अलवर
जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,
मो. 09828242497
5–C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर 302012
अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,
मो. 09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज, किशनगढ़, अजमेर
बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,
मो. 09829960811,
ए. 14, 'गिरधर–धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन
मो.–09113733141
ब्व पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग
रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी
मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़
धनबाद
श्री गोपाल कुमार खेडिया,
मो. 09608529923,
आजाद नगर भूलीनगर

मध्य प्रदेश

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 09752492233,
मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम
जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,
मो. 09926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी, माढ़ोताल, जिला – जबलपुर
भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136
ए–3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला – भोपाल
बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,
मो. 08989609714, बखतगढ,
त.–बदनावर, जि.–धार

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी,
मो. 09422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला
परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा
मो. 09422876343
नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,
मो. 07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम, मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला – नांदेड़
पाचोरा
श्री सीताराम जी
मो. 09422775375
मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी
मो. 028847991, 9029643708, 10–बीध्बी, वाईसराय पार्क, ठाकुर विलेज कान्दीवली, मुम्बई
भायंदर
श्री कमलचंद लोढा,
मो. 8080083655 ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे–401101

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,
मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट–बिघरी, त. बदसर जिला हमीरपुर – 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट–रोपा, जिला–हमीरपुर–177001

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807
गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

.....

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662
3 68–ए, नई अनाज मंडी, कैथल
जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल
मो. 9813707878
108 अनाज मण्डी, जुलाना, जींद
पलवल
श्री वीर सिंह चौहान
मो. 09991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर–14, पलवल
फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा
करनाल
डॉ. सतीश शर्मा
मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार नियर मेरठ रोड करनाल 132001
अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर
मो. 08929930548
मकान नं.– 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट–133001
नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014 165–हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,
मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा–403601

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,
मो. 09274595349
म.नं.रू बी–77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074
विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला–बरेली
श्री विजय नारायण शुक्ला मो. 7060909449,
मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली
हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,
मो.–09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन, सादाबाद
हापुड़
श्री मनोज कंसल
मो.–09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,
कबाड़ी बाजार,
हापुड़
गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.–08791269705 बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा–244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल
मो. 09425536801

.....

श्री देवनाथ साहू
मो. 09229429407
गांव– बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला–कोरबा
बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,
मो.–09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर
बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000
रामदेव चौक बालोद
जिला–बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,
मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52–सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु–180001

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा
मो. 08447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा
मो.0 9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
प्ट्ध1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास, शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई

मो. 09529920090,07073452174
09529920088
शिवे सृष्टि सीएचएस लिमिटेड, बिल्डिंग नं. 4–बी, फ्लैट नंबर 608, बॉम्बे डाईंग महादा बोइवाड़ा, नयागांव, दादर (पूर्व) मुंबई (महाराष्ट्र) पिनकोड 400014

पूणे

मो. 09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे–16

दिल्ली

रोहिणी

मो. 08588835718
08588835719, बी–4/67, सेक्टर–8, रोहिणी, दिल्ली, पिन कोड 110085

जनकपुरी, नई दिल्ली

07023101167, 07412060406
सी2/287, 4 फ्लोर, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058

विकासपुरी, नई दिल्ली

मो. 09257017592
मकान नं. 342 ब्लॉक–सी, मद्रासी मन्दिर के पास विकासपुरी 110018

हरियाणा

गुरूग्राम

मो. 08306004802,
हाउस नं.–1936 जीए, गली नं.–10, राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी. आर.पी.एफ. केम्प चौक, गुरुग्राम – 122001

हिसार

मो. 9257017593, मकान न. 2249, सेक्टर–14, हिसार 125005

पंजाब

लुधियाना

मो. 07023101153
311/312, बी–17, गुलाटी डांस क्लास के पास, भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़

मो. 07073452176
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर – 46–सी, चंडीगढ़–160047

बिहार

पटना

मो. 09257110805, मकान नं.–23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना–13

उत्तर प्रदेश

मेरठ

मो. 09257110802
38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड, नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम, मेरठ

लखनऊ

मो. 09351230395
फ्लेट नम्बर 202, गुरूकृपा अपार्टमेंट न्यू श्रीनगर आलमबाग लखनऊ 226005 (उ.प्र.)

राजस्थान

जोधपुर

मो. 08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

कोटा

मो. 07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं. 2–वी–5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

अजमेर

नारायण सेवा संस्थान C/O श्रीमती. कैलाश उपाध्याय पत्नी स्वर्गीय श्री विश्वप्रकाश उपाध्याय मकान नं. 68, माली मोहल्ला, आनासागर लिंक रोड, शिव मार्ग, कृष्णा गंज, अजमेर (राजस्थान) 305001
मो. नं. 9216022978

गुजरात

सूरत

मो. 09529920082
27, सम्राट टाऊनशिप, सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा

मो. 09529920081
मकान नंबर ए–2/5, सिद्धार्थ पार्क, साईदीप नगर के पास, टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स के सामने, न्यू वीआईपी रोड, बड़ौदा (गुजरात), पिनकोड 390022

अहमदाबाद

मो. 09529920080, 08306008208
07/ए, कपिलकुंज सोसायटी, विजय नगर के सामने, मेट्रो स्टेशन, नारायणपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) पिनकोड 380013

(कर्नाटक)

बेंगलुरू

मो. 09341200200, नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु–560004

वेस्ट बंगाल

कोलकाता

09529920097, मकान नंबर–580, स्वामी सारणी ग्वाला, बागान, कालांदी, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिनकोड 700048

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस

मो. 07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा

मो. 07023101163
मकान नं. 212ध्53, राधानगर, भारत पेट्रोलियम अधिकारी आवास बिल्डिग, मथुरा (उ.प्र.)

अलीगढ़

मो. 07023101169
एम.आई.जी. –48 विकास नगर, आगरा रोड़, अलीगढ़

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद

मो. 07073474435
श्रीमती शीला जैन निःशुल्क फिजियोथेरपी सेंटर, बी.–350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद – 201009

लोनी

मो. 9257110802
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

आगरा

मो. 07023101174
मकान नंबर ई–52, किडजी स्कूल के पास, कमला नगर, आगरा (उत्तर प्रदेश) पिन कोड रू 282005

छत्तीसगढ़

रायपुर

मो. 07869916950, 08306004806
मीरा जी राव, म.नं.–29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.–2, फेस–2 श्रीरामनगर, पो.–शंकरनगर रायपुर, (छ.ग.)

गुजरात

राजकोट

मो. 09529920083
बी–33, शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर के सामने, यूनिर्वसिटी रोड, राजकोट 360005

उत्तराखण्ड

देहरादून

मो. 07023101175
साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट, शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

दिल्ली

फतेहपुरी

मो. 08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी, दिल्ली–6

शाहदरा

मो. 07073474435, बी–85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा

मध्य प्रदेश

इन्दौर

मो. 09529920087
43, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर–452018

हरियाणा

अम्बाला

मो. 07023101160
सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर–7 अम्बाला

कैथल

मो. 08696002432
फ्रेंड कॉलोनी, गली नम्बर 3 करनाल रोड़, हनुमान वाटिका के पास कैथल (हरियाणा)

राजस्थान

जयपुर

मो. 09928027946, 09257110807
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी–50–51 सनराईज सिटी, मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा, जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद

मो. 09573938038
लीलावती भवन, 4–7–122/123 इसामिया बाजार, कोठी, संतोषी माता मंदिर के पास, हैदराबाद –500027

अपने परिचितों, परिजनों अथवा स्वयं के जन्मोत्सव, वैवाहिक वर्षगांठ के साथ पुण्यात्माओं की पुण्यतिथि को बनाएं यादगार...

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त अंगविहीन एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
कृत्रिम अंग (हाथ-पैर)	10,000 रू.	30,0000 रू.	50,0000 रू.	1,10,000 रू.
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.

दो जून की रोटी के लिए बेबस निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन-नाश्ता सहयोग मित्ति (वर्ष में एक दिवस 100 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.
100 दिव्यांग एवं निर्धन बच्चों की भोजन सेवा	3,000 रू.

आशा की नई उड़ान रखने वाले दिव्यांगजनों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि			
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि	7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि	22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि	37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि	75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि	1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि	2,25,000 रू.

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के बच्चों के सपनों को करें साकार

1 एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
5 बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	55,000/-
20 बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	2,20,000/-

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

हरी–भरी वादियों के बीच प्राकृतिक चिकित्सा

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

एक बार अवश्य पधारें

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

Tel. : +91 294 6622222
+91 7023509999
E-mail: narayanseva.org

46वां दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह

दिनांकः 6-7 जून, 2026
स्थानः गोल्डन स्टार बैंक्वेट, रोहिणी डिपो-II, सेक्टर-12, रोहिणी, दिल्ली, 110085

दिव्यांग एवं निर्धन कन्याओं के बनें धर्म माता-पिता

कन्यादान (एक दिव्यांग कन्या)
₹ 1,00,000

गृहस्थी उपहार सहयोग (प्रति जोड़ा)
₹ 51,000

पाणिग्रहण संस्कार (प्रति जोड़ा)
₹ 21,000

श्रृंगार सहयोग (प्रति जोड़ा)
₹ 11,000

मेहंदी और हल्दी रस्म (प्रति जोड़ा)
₹ 5,100

Donate

सेवा–पाती (मासिक पत्रिका) मुद्रण तारीख 1 मई, 2026 आर. एन. आई. नं. DELHIN/2017/73538, स्वत्वाधिकार नारायण सेवा संस्थान, प्रकाशक जतन सिंह मो. 09871320593 द्वारा 6473, कटरा बरियान, फतेहपुरी, दिल्ली–110006 से प्रकाशित तथा थॉमसन प्रेस इंडिया लिमिटेड, फरीदाबाद से मुद्रित। मुद्रित संख्या 1,00,000 (मूल्य) 5 रूपये